

महोनय पुक्का ६३ ✓

2256

3-6-69

१६०६८ १५८३३८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगुरुवे नमः ॥ विष्णुमिहिरिह ॥
 विष्णुमिहिरिह ॥ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 दामोदरसुखि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 यः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 नमो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 पीठे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 की ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 पीठे ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 मेडि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 इत्युक्तं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 इति ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 इत्युक्तं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 लक्ष्मी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥

०

मुद्रितः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 वदन्तु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 निम्न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 वग ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 डी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 वी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 वि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 भु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 भव ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 पद ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 भव ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 ड ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥
 न ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मन्त्रः ॥

श्री.
भ.
पु.
२

[illegible]

श्री.
म.
पू.
१

[illegible]

श्री.
मं.
५
३

[illegible]

७५३

[illegible]

[illegible][illegible]

०० अ. श्री.

[illegible]

श्री.
म.
५.
०९

कुम्भपद्मसङ्गच्छन्तु। तद्वयमिष्टिप्रसक्तकलति
उडि॥ नृदिमुद्रकम्पुप्रवर्धितः उक्तात्पञ्चमः
एषः प्रथमाहूयनिवेद्यणी। भट्टगजिनपः मितः
नृकात्कुरुते॥ उडः १० मुखितिकविरेष्ठकामनि
वैश्वदेवः। भावविडग्द्वयस्त्वय्यकवेननर्यादिः
इत्येभक्तमेवयेद्यष्टमत्रिरागमित्यमीनेदकराक्षरिता
यः। एवं पद्मविद्धुर्वियभातिवल्गः। भावस्तुमिति
वर्णकरो गुरुभापममं प्रवर्धितोऽडमेवेति॥ इत्येव
लेपरमित्रेडिमियेऽन्नकलः॥ १॥ अइकेकभुभुड
इडयाभुभवः भुडउडि। उ. कड॥ २॥ द्रव्यपलग्न
पदकुरभुभुड। कपुरभुभुड केवभापमम। दडलेख
द० प० के० ग० प० न० के० भुभापममडिउवाभ॥ ॥ सु
कभक्तपद्मकुडपद्मयुने वेदमकुडमयुनिपद्म दुम
पुष्टिभक्तमममने। पदकुरवभापमपी० विडड ॥ ३ ॥
वैश्वदेवमममपाभुभुनीतिपद्मयुने कविरेष्ठकामपाणी

श्री.
म.
पू.
३

[illegible]

सिद्धि

[illegible]

श्री.
मं.
पुं.
०५

[illegible]

ਸ੍ਰੀ
ਮ.
ਪ੍ਰ.

[illegible]

श्री.
५.
०९

[illegible]

०९ अं. म.

[illegible]

श्री.
भ.
पु.
३.

[illegible]

श्री
भू.
२०

[illegible]

५५५

[illegible]

गुदवडिहः सकेचिभुगः। भमेवभमृमेवी प्रसभेकुपम
उमभचइडिविपेपुपिसुमसभुनपुविठडु, भुवैठवभ
उमठडुमेवपकडनहुडभन, उभिं सुकुलगडपम
मेवी प्रभगेरुमे उमुडगवभमभुमयभमभगीमिप
भगडुककगले सुगीमरंरविधुगेडि, यडेकैकभिक
गले सुगीकुपेवडाउवाभभगडमुपहपकडन, उवाभेस
गीपसुकंभभभुपेभचवपकं प्रडिहडिकडु नरुमे
विठडुम। उवाय प्रसभेमिपिडंयमुभवभेसुगीवप
मेभुगिडे, उमुमसपंकगले सुगीं प्रसभेमेभकुभिक
भाडुभे, उवापिमगीमववमुडभंकगले सुगीं भमि
कभभुननिभचलिभभभूमडि, रुडीयंयकुमगीन
भेकुं उभभेवकगले सुगीं प्रडिभिकविषयसुममेठ
कुमेणिडिपुडि, उवायडुडंयभंडगठकि, नीववडंय
वभेसुगीकुपेविषयठेगपुहडगले भुठवंडभंमुमस
ने प्रडिभिकविषयप्रहडगले कुभिकः भभभुनिगवमे

षडयभभभेनरपककुपे वपेडि, पंमभंमगेद्रीसुगी
पमकिडिडंरडिगवकुडमिभुभिकविवडुभंमुय, नि
सकुपमप्रभुपिडभुभुपभेववलेभुमिमेवीवसुपकेनड
पेभूमडि, सुमिमेवीवडुचवपिकनं निरुपणिमिभ
उकुपलेवभेसुगीं नियडं कुलगडंकेमिडुडिभुनं
मि, यभुमेडुमुविधुनकुपेठिकगविठगववडगः भ
उपमगिकेनवाभुवः, ननुकगले सुगीपंमककुपः
पंमवडेलेकेप्रभिसुः, नैडड। कुगले सुगीपंमकु
नमडिविवकुपभेकभ। सुपंमरियमडिविवकु
पडिकगले सुदेसुमस, उमपुसुडेयंकपवकि
यडे, उडुपुवमिपुडे, उडुपंमुमसभगीमिभंएववड
गः। नियडभनप्रडिभिकडिमेडुमिभगीमयः भुवप
गविप्रगः, पमवपाररुहडुपुयाः। डः कपंवाभेसु
मयेठविठभडुडि, यभुप्रसुगभुभंमेडुमिभगीमी
नंलेकेपंमवडेडिहपमेसुः, भडमविधुनेडुभुहडु।

उद्यमनिपिलभगीमिमेवडमरुभुविमेषे, प्रवभेमेध
वपुषावृषिक, एकैववभेमी, उडःकगभुनपडिडा
कैवभापेयगीडिकाडुनवृपमिधू, उडेपिधनीडुडवि
धयवृउंउडिमुणिधू, नेनठडपमप्रभगिकाडुमगी,
विधयगूभंविणया नेडुडुडीकृपभंडगठकिमीडि,
उडेडुडुडिरुठयडुडडणिधू नलिकयाउं पावयतीठ
मडुधयममीधुभुपगोमीमुगीडि विभले
नेवकुपेमुडे, एवंमुमसानंभष्टकेककग
मुगीपंमठिः पंमठिचभमीडिरुडुडिरुभुणिधू
यडेडडि, मुमसानंभष्टिकुभिकालकूडे, भयमि
कहएवभचः प्रभगेविठवनीयः, एवभकेवपग
मिमुडिः कविनिप्रभभयभुभापेदयलवृ
मिमेवीवृपमेसा, कुभिकठयडंमभुवमुमसा
लिनी, उद्यठवेपुपुमुउपुमुभडुभुमुपेवठवडि,
कलिउमुभुः पंमभुभिकभुगेभाएठवःभं

[illegible]

श्री.
मं.
१५.

[illegible]

इं पश्यती, नाना रूपं भव पंथभी प्येगं गे सु सु गी डि, पगड
प्येन, गुनरुमे के क भुन डी येन कु पं ॥ कि भ ड के व ड वि
व तु भ न भ तु ट ॥ सु व व ड रु भ प्र पुः ॥ य इ वि सु नृ ठ
भ टा पुः कु ल प म न भः उ डू म भ म ए प्र व भ म टा पुः, वा
भ भु के ले य ड उ म टा टा पुः, पुन ग पि प्र टा व नृ भ म
भु न पं थ भ म टा गे सु म टा पुः, म ग ड डू मे भु भु मि
रे मः, उ डू व भ म सु गी कि म भु ग टा प्र व ल रू भे पि प्री य
ड, उ डू वी भे वि डू मः, सु सु भ म न प्र व भ म टा वी उ डू वि य
भ ज ग ड, डि डी य वि प य डू भि प डि ड, उ डी य उ डू वि प ये
न डू भ म टा प्र टा व नृ, य ड डी, पुन डू ल डू भि म भु र
डि ग प्र टा व नृ भ म ग क पं थ भी, उ डि म डू
भु डू रू मे भे वि डू मः ॥ सु व भ भे व नि ग व ग ॥ ठ
भ रू मः ॥ नाना भे वि डू प ॥ हे भ नि व भ डि म ॥ डि य ॥
वि डू प भ भे भ व भे सु गी, पि भु ठ व ग ग न ग डि य भे वं प र
भु डू प भे गी, प ग वि भ म डू भे ग डि य भ भु गी ॥ १३

सु भ वे भु गि डं य भं ड ग डि भ भे ड ग ड कि ॥ १, सु डे नि
हे भ व भे सु गी कु पं भ ड हे भि ड म य डं य ड भ भे सु
गी डि नि ग व ग ॥ ठ भ रू मः, भे ग ठ भ प्र व ॥ डि पं थ गी प्र भ
रः, म डू ठ भ प्र व ॥ सु डू गी प्र भ रः, व डि ठ भ प्र भ रू मं
ड ग ड कि ॥ प्र भ रः, भ भ भु ठ भ भ भि प्र टा ग व म टा व
वी प्र भ गे उ डि ठ भ रू मः ॥ ॥ उ डू वं व भे मी भु डू प
नि डू पि डे कि भि भ गु न डू न वि ठ व डे, उ डू व ड डू न डि वि
य ग वि डे य ग ल के न ड ॥ ॥ पि ड सु डि म व भ य प ड
उ भ व ड, उ व रू भ वि मे भ प ड क भ रू डू प ॥ प डू व डू वि
म गु न डि ठ व ड, उ व ड न डू य डू भु डू प ॥ ॥ +, सु डू
न भ डू सु प प र भ व, सु डू य र डू के म व डू डि ॥ ॥
सु डि म वी भु डू पं नि वि मे भ भे व य डि व भे सु गी भु डू पं
नि डि डं कि भ टू म प य डे व ड डू प ॥ प्र डू डे, उ डू व भ डि
ठ वि रू भ भ भु डू प भ भे व प्र प डू उ डि य डू म ॥ य डि डू
प य डू उ गु न रू भ भु डू प डे व भु व भे मी पं थ क भु डि डू य

श्री.
भ.
पू.
३३

[illegible]

श्री.
म.
५
९९

पंथपाडरुमे... कथाएपावुयइसभुवीयेवीयउधुयवभ
 सी, प्रथमपाडरुमे... लभितमभुभिसुधुकेनापेगी।
 द्वितीयपाडरुमे... भेलपभिसुधुमसकेनकुयगी।
 तृतीयपाडरुमे... यडुचिमडिभनुभिसुधुमे... भंदरुकि
 ...। यडुजपाडरुमे... धेरुमलूनभिसुधुमे... गेमुसु
 गी, पंथमपाडरुमे... डि, पाडरुमभुविठकुः प्रभनः ॥ ॥
 अथप्रकसनरुभुदियरुभुपुंयुगलकेनप्रकसुडे ॥ ॥
 वविनप्रकसमकुळ...। अनुनरुभयनुउपपडु। भडुमि
 पाठसनरुप्र...। लनप्रउभयभीवडु ॥ ॥ मिधि
 प्रकसुनवीभैडियगे, धिडिभयभनुअनुनरुभकेनु। भंदि
 डिप्रुडिअनेदसुगे। भनभयभाहृमिहेयु ॥ ॥ अथप्र
 सडुकमेकिजडिप्रुकमठडिबुडेनभभिरुसुडे। अनुभापे
 प्रष्टुंभाष्टुभभुडुकमेडिनभनिरुगहृ, पिगडगविमु
 रुसककुपडयडिप्रुडिअभयडुभिडिगविः प्रकसम

श्री.
मं.
पं.
३.

पुकप्रभरे...अपुमसण...भरुमः। अमिवलपिडिडक
 गहृकरपदचुंमपुमसण...भउतेवलरुमः। म...मव
 भिकारहृदरा...पीकुडा...मनुचिमिसुमिपवेपृभयभदत्र
 कुयभानःअपुमसैवमेविडूमः। एडमिहोपकुपंयरुड
 यम। मभमेदिपमऊमडेणभवलमेविडूमडेनडिऊम
 डि,यडेनभकुपभयेविसेविस्त्रुःपाडीपमऊमडेनभकु
 पभयपव,नभकुपेणभवलपदयडभपगसुडः। डि
 मचेपमऊणभवलभयडेनेसुडि,मेविमलभुनडेन
 विसेभउंपुडिलकडे,विस्त्रुःपाडीपमऊवजःमचुषभ
 विमलभुनःअकुमिडेठवडि। डिणभवलमेविडू
 भानुःपाडिनःमचेठव। डिमिसुम। पंगवदेप्रसमे
 वामेसीयरेमचेवलमेविस्त्रुभरुमसुविठगेनभयुग
 म्भमवदिडिडापकुडाः,डडःपूकमानकअडिरुमे
 किंमिस्त्रिठह्रीलीलाः। म्भुएविठगभुककुरुभेव
 लरुमभु,भडरुमःमेविडूमभुठभंरुमेणभरुमभुम
 सुडडडि,वरुम...वट्टजहवभुएपपुवपूकमानरु

श्री.
म.
पु.
७०

[illegible]

३३

[illegible]

श्री.
म.
पू.
७७

कश्चिदपि विमलमयमिति भावकगच्छनीति, स्तुनभिसूनेभ्यम्, स
 दुर्लभमिति उद्दिष्टं भाव्यवपुषि यज्ञे गीर्णमिति भर्त्तुणीति,
 भवभिसूनेभ्यम्, विष्णुभक्त्यगतिव, भाव्यगती, स भू
 वभिसूनेभ्यम् ॥ ॥ धेनुमन्त्रनगवभक्त्यमे।
 सुवीदितादिभेलापु। उद्युग्धपुस स्त्रीमभुकमे, गभ
 र्वीमेरुर्वीनकलापु ॥ ॥ पंथानं दन्तुर्वीनकान
 भुम्भुसकभिमिभम् उडिपंथभुम्भुति, धेनुमन्त्रवडिगसु
 कृंसाकिनीमरूपीकितवतुः, सुद्वयभक्त्यभम्भी।
 भडकैडिस्तुनभुपडिमसु कृंस्तुनभिसूभुपेपयैमः।
 विष्णुमिगिउडैकेनभक्त्यभिसूभुपेपयैमः। रुभुमी
 प्यउडिपविभक्त्यभक्त्यउडि, सुकुमिउडिमिगिउडि
 लपभिसूभुपेपयैमः। भडमभुभुभुउडि, सुद्वय
 उडि, कुलपभुउडि, यक्त्यउडि, सुभक्त्यउडिम,
 भेयतिः। सक्त्यभिसूभुपेपयैमः। सुभुनउडिगु
 तंकियउडिम सुद्वयभक्त्यभिसूभुपेपयैमः। वभ

श्री.
 भ.
 पू.
 ३२

बुडडि, सुपुपी ० डडि, सुमिवत्र डडि, भाडुड डडि सुडडि
 सुडडि सुडडि पनिलय डडि भपुडम, पूमै भिडि: भडवि
 मडिवा डडि: भभन: ॥ अउर वपवगुड डडि येडुडे ॥
 भिडक भिपुभउकगवगवि, भुगुगवडन भभभय
 य, अउर गवेडन डडि उर यगवि, धिभुम भभगवेवीन
 भभय ॥ ॥ भउक भउक वरुडु मिवमडी, पू ॥
 पने मडुन य पूवेमै, पिडुले नभजी, नभविनु,
 रुभमीडि, डडु भउक: पुड डडि भिभुभमीडु, उ
 डडि भउकै रुभगवै: पंयठि डिमै: मीडुगवै: पंयठि:
 भउकै: पुडगवै: पंयठि गिडि पंयठि मकि: गवेडुड
 गव: धिभुम: सुमृलावकै एडुय भभमी, यमी
 लंकलानं नभमिभुव ॥ यगडि भभभुम: ॥ डडि धि
 रुमठ गवेडयै सुनभभज: उभाय गवेडय: क्री
 पिडुले कल भभेन भभले नभभुमदे ॥ भुगुगवीन
 य ॥ निनय वत्रवनवीठवडि ॥ यउ: उर वड ॥ ॥

भनडुपुभुभन पठवे, सुभन सुभुय वउभुभ। डिपडु
 सुभु सुभवे, परिप्रउ सुभु उपडम ॥ ॥
 सुभवे, यंमिभेडुप: भुभवेन निमीधुविमपे सुभवेन, य
 इ, पने वुडुमिडि यलेन, उषा वेभवेन पने कवेडु सुय
 ॥ पउउगे मडि डि विभेन सुनभभय पवठव: यमग
 भ: ॥ पउपये पउडि भुभगवै डडि, उषा विभुभभगडेये
 गी भचंयन डिभचयेडि, सुभुले नभभगभभभग, उउ
 डि विभेन पिडुने सुमिवलाव विठडु: धिभुम भभउय
 विठडु: भभलेन भभवेन भभठलेन गीलेन भवेन व
 पकेठवडि, उमुग धिभुमभुके भभव विवडुडे भभवव
 सुिकभु के विभये सुभनभभभभ धिभुमीठवे, उवडु गे
 सुवकल प्रलेडुव भभुममेक कलन सुभु निभपठि
 गवि उपडगीठवडि, भभभुनीनं भभभभभभभभभभ ॥ ॥
 सुभभभुभिभु भभुपभ ॥ ॥ निभुमिभिभुभभ सु
 कगवि, भभुउडु गवभभभभभभ, भभुगवकमीभभभ

वि. ॥ ५८५६ कडिउये सुवीद ॥ ॥ कययेन उडुडिचिमडि
 वलडडा कषमडुडुध ५८५६ उडिम डुनिगभायभभूक
 येविमन येमिगभितभेन लडुडुभुडुभडुडुन ठाडु
 उडिम विमकन क मिठनुयेनीन भुडुन भाने सु
 गिडनं भडुडु ५८५६ ॥ उडुडुगव उडुग ५८५६ विमिपु
 ठडुडु सुगभित, सुडुडुडुडुचिमडिगव सुडुडुनिडुडुनि,
 उभं सकिनीनं भिमि निठवडीडि. सुगभानं उडुभिमि.
 उडुभडुगवः, उडुगवीन वेपिभापगुगव उडुडु
 डिमडुगवे पिभडुगव पडवभायी पवठवडि, यडिग
 वेपमडुवेव ५८५६ कडुयभ ५८५६ पसभ उडिमडुभिमि ॥ ॥
 सुवभेला पभिमि ॥ ॥ रुभुमी ५८५६ लसुगडल
 भडुडी. पकिडि उडुगमीयमीन। सुडुसभेलेभडु
 गडुडी. येनिगी सुभुगसुगीन ॥ ॥ वडुभा ५८५६
 ठाडुभडव उडुये ५८५६ भेला पभिमि नं भेला पेडुगस
 ५८५६ यडुभाडु कवलन भडुगडुभ ५८५६ सुभु

श्री.
 भ.
 ५.
 ३५

प्रकरः भविडुपे भेला ५८५६ उडुभं विमभडुपडुडुउवेडि.
 उडुव रुभुमी उडुये भेला ५८५६, मिव सुयडनभ, मिव यड
 नभ, मी उडुपुपव मः, डल भगं यपगः भविकडः
 भेडि उडिम विमडुपे भेला ५८५६, ठगवन सुयं ठगवनय
 भिडिमिडीयः, डल भेव प्रव पगं भविः, ठगवन
 ५८५६ गडुडुः, ठगव सुगडुडुगिडुयं डल भडुडी डिडु
 डीयः, सुव पकिडि उडि पूरुडिठवः, सुनिठुडुपिवि
 कडः, सुगयेः पूरुडिठवडुपः, यष, सुसुपेडि, उ
 उडुपसु उडिमडुडुः, पूरुडिडुडुन भिकगमीनं य
 कगमि विचिठ डिठिः, उकेय ५८५६ मीडिभुग मेलक
 ५८५६ भविडुपे ५८५६, ५८५६ भुडुडुमिः, सुडुगकग मय
 सुडुगवे उडुडुपे ५८५६ भवि विवडुडे, पुन सु पव सुयं ५८५६
 गूये ५८५६ विडुडु उडि पूरुडुः पगि ५८५६ पडुमः, सुडु
 सुपकभः ककगमियेनः सुगडुगभये ५८५६ नविये ५८५६
 नडुपः, म ५८५६ सुगवलि उडुगसभभडु ५८५६ कक

श्री.
म.
३५.

[illegible]

श्री.
 भ.
 पू.
 ३१

कर्मिण्डलिकामीपिकतेनवनमगाष्टमडिडुपरडिडुम
 केनभदभजठमभाष्टनणभइमेलेपिसुममः
 डडिबलभंविदुभभयभुमिवमडिभेलापवपुषिगः
 मभवयभभेलापडडिभेलापमिदुभुडुपेपमः ॥ ॥
 डडिमिभदुनयपूकमेभपुभउमयः ॥ १ ॥ ॥
 सुषमाडुमिदुभुडुपेपमंपाडुठिगड ॥ ॥ भडुभ
 सुधुभवसुयली। मलीगेरपेभभडुपेभ। मडुवेवी
 कडनभभली। भंदिडिवनकभपरिपेभ ॥ ॥ सु
 कगडुठडुवलाप्रचनियुक्तः। भकुडुभभुजवडुनकु
 पेभविपटिपकमीप्रतुगुः। डडिडुकभगवडुपडय
 भवभनेठिदुडुपेनियेडिडः। यडः पूलभुवी
 कुडभुकपभुपगभभभुगेभकः। सु डडुडु
 डडिडुचडुडुः। यडयसुभेलापडुडेनपरिभभप
 गिभभनिडुपडयनिकुपिडः। मडयसुइयेवलसु
 पेभः। डकगुभभडपेभः। एवभडेयडयः मड

यसुवगसुयभुःमाडुकिडुवीठिडुडुः। डडुडुसुलेप
 भवमाडुपभभभुडु। भंडववलसुकाकः। भुडुसुड
 भुलडुमडुवलपेभनठिलडुडिडडिमडुमिदुन
 वलडुभः ॥ ॥ सुषभभेवणभभः ॥ ॥ सुटा
 पीणमाकिनपभगि। सुधुडुधुवपुडगिमड। डडयु
 कडिडुठिभुठापभगि। वनवनविदुभुपरिमड ॥ ॥
 डलपभुकडनठिभग। डडवडुपडभगमिदु।
 सुभगभुवडुडनसुभग। विदुमिदुसुठपभगमभि
 सु ॥ ॥ सुगलकभ ॥ ॥ एकपीणमकिनीसुधु
 ठीकुपैः सुधुभभुभपव। डडुठेडुभभुनविदुभभ
 कगवडि। डनिमभुनडुठि। यडेभभगडुडनल
 परिभगवठिनलिडुसुचवडी। डडयेवभनविदु
 भुडि। डडुवएडुः। डववडुडलेः भुडिडुपडुवठे
 गडिनिगेठेनडयभभुडुवठः पूभगेलनविदुभः वि
 सुभुवमडुयेसुभुडिठडुयेपवेधुननडयः भुगेगडि

श्री.
म.
पू.
३३

[illegible]

श्री.
 म.
 पू.
 ७७

लोपविलापिकेडिउरुवगनभाएभभक्तुल्लदिउभ॥
 एकेकमेडिउडिविलापः भक्तुभचलीनउडिनयेगकु
 भवभभक्तुविलापेजिगियभ। राहविषयउं विलापाड।
 उषमिवमकुडनं पू०० पानयेगडनकुविकल्पविकल्प
 भाननाभकल्पनेनापू०० कुभोपुहभुभयड। उष। सुन
 नभुभभविभजभविलापनंरंकेभाइकुभिकयाभावे
 मंडडः। सुवभानेयडुडकुभिकयंयठेभुपिपभु
 गुभः। एठिः कवलैकुडनं सभुवभिसूः भिसिउले
 रुवडीडिउभंभंविडुभः, पूवेसकुठभभभउडिमभुवभि
 सुभुडुपे॥ एवंगठिहुकुपिउयकुधः भुलकाविषयं
 यठलेयभसूनंउसूनभिसूनंसूनभ। उरुभिकुभनिकुं
 ननिकुंकिंविडुभितियेः परभजः, भावभभुभिसूनंभ
 डः, वेसुवेरुभभभभुभेलापभिसूनंभेलापः, भाकुभ
 नभेयानंविठगेयडुभिसूभिगलडि, उरुभाऊनकुपः स
 ऊरुभः सकुभिसूनंविमूभः। मेपियाडिपवेठभुभुभि

डि, उरुभुवभिसूनंभभकिडुसूनभिसिउलेमेवडासून
 भुपगकपूपूपू, भभुभिसिउलेसुभभुभिसूः परकपू
 पूपू, भेलापभिसिउलेसुभेलापठलविमूडैः परकपू
 पूपू, सकुभिसूसुमडैयभुपुडकुभिकवलभुनेन
 कपूपूपुडसायं, सभुवभिसूसुभलकुभभडिपडउकु
 भिकभंभभनैकभिवेवणभिमभभेककालभेवविमूडिम
 नडुगभेवपसुडै॥ ॥ उडिमडनयपूकसुभुभउ
 ययः॥ ॥ ॥ सुवभकगमेवडायाः पडुधभित
 भक्तुभपाकडुभाड॥ ॥ वभेसुपडुवडगुने, भिसू
 भुलापरिठेग। भकुलपडुडपूकभेनगुने। भासुकेप्र
 लिठिवेय॥ ॥ उरुवसुभेसुगीठिः पंयठिचिठगेन
 पिठिडसुडमवडुयः धभितभापसुडै। भुलएठिभुभ
 भुयिठिभुभभठिः भडयडुधभितवडीडि, भकुगमेवीपय
 धभितभाकषेउमपुठवडि। भडिभठेयभडिरुभठिवभि
 सुभेप्रसुडै॥ ॥ सुवैवपकाडुगभाड॥ ॥ सुभुपीसु

श्री
भ.
पू.
२.

[illegible]

सी.
भ.
पू.
२९

पशिङ्गः । उषागमः ॥ यमिचभिंसुखवरेडङ्ग
 द्वागनिचडिः । उषवभुभुयेगेयः मैवप्रविणीयते ॥
 उष्टभयेनप्रचमिमुनाभठिपूयः ॥ ॥ अष्टभद
 र्भभद ॥ ॥ उष्टमीभिष्टमीसष्टी । येनीपष्टप
 रागदेउ । मिष्टिभभग्भैवद्युयष्टी । कभुमवेनअव
 उरुभिसेउ ॥ ॥ उष्टमृः भुष्टमृः सकयभु
 वपगः पष्टयेनयः भुष्टिपूभगटवउः अष्टगठ
 विष्टधष्टिचलैरवउंभुष्टभैमचयडि । यउः उ
 भैउष्टमृमृयः पष्टउवडीठिद्रगीठिठिगठिष्टि
 उः भुष्टिभैपगयडि । यउ उयभमिठिवीपगभै
 विष्टिठिठिठानठमिभभुमुनउं प्यनउंठल्लुडियेति
 कुपउभापष्टभदकुउ विवडिमुवनेनविष्टिपूभगभ
 ययडिलेकयउं पगयडि । उभुष्टिपूभगः पंयपंय
 विंसडिठुपः पंयठगउः वलठभभैविष्टुपाः पूष्टम
 भयेवल्लधष्टनियभैनडिभुभडि । एवंवल्लधष्टनपल

श्री.
म.
पु.
२७

किउभविप्रभरे सुवडावकुमिकवेमेनरुभाऊः पंमरेमु
पिडः । कुभुलितुभावपुंमककुपपुल्लवकगिल्लभा
वपेमाडुकविसुहपुभितः । कननठिठुवकुमुभट
पेमाकविकभेनमपुषमभनकुपेठभरुमः । भवेपंहु
इननभविसेपेलेयेनिदेपिभाएडयाकवज्जमिपवज्ज
नुयेनिपेमाकभुपसुडीभटभयेः । उषायेपिअयेध
अठवडानभवैपगीप्रचकेऐयावुएडे । यठहुः । सु
कमवायुपुठवः मगीगडुभसुगवकुभपैडिनः । भु
ननुगपुप्रविठएभनवेल्लहुभागसुडियः भसवु । उ
डिपेधेदेनेपपसुडे । उययेपिअभडउभुएक
भुद्विडेडाभंमवायेमडुपुयीद्वमिडि । वज्जउपुय
भुपगवागठिभुनेनयः पंमरेमयः भाववल्लरु
भः । सुडुमिपंमकपुभरेलेभंविडुभः । उषावुडु
मिकगलेपंमकपुभरेलेभंविडुभः । मकुमिपंमक
रुमेलेउरुभउडिनिपिलेयेभंविडुभरुमः । सुभं

मभवाभं पण्डरमिसुपुिगठेनेनप्रविडाउडुपकगपीकु
डयेनिपंमकभेडकुपंरेमुहमिडिभभिरुमः ॥ ॥
सुषभित्तिरुभभाऊ ॥ ॥ उयसुपुडुभुनरुगयु । अप
भिसुवकुडनीकुपु । मोगयचिसुलेलीभगयु । एपेड
मवकुमभडुपु ॥ ॥ उयमिसुपुयवपुमडुगिल्लन
मिसुसुडवल्लभनेः मएडे । उयमिकुभिकमडुपुयेन
सुनभिसुनंमडुलेणभरुमः । यषाभुवमडुपुयणिभुनेन
वल्लरुमः । भयगभुमवसिसुगडीठवेनयेडुविडः ।
पगभाकमः । मपुषभेसुनभिसुः । पुषमभनेलेयेयः ।
मसुडीयेसुनभिसुः । उन्मियभपुपडिडामिचिचिकग
भाकुडीयेसुनभिसुः । गठपुभउठडीनेपुटवकुसुडु
निभाभरुभुकगीभुनुकुपेविभज्जः । मसुडुकेसुनभिसुः ।
उडिमिसुनंभंविडुभः ॥ एडेदिभज्जकुपमभंभठि
पुडाडः यषायेपेपेनीकुयवायुल्लनभलिलदिडि
विवडुडवापुभज्जभपिवल्लपिडुनीकुपकुडकम उषाउ

श्री.
मं.
पू.
२२

[illegible]

श्री.
भ.
प्र.
२०

शुभमेव भद्रं भवेत्तु ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री.
भ.
५.
२१

लयेयन डीमकेन सुडु निभा भग्नेनी डा उडि धदक
 लनिधुला नव वनिधुडे, सुवेय सुडि भु भु पनी कगल
 लेलि दुव भान कुडा सु ड डगः निधुलगडा उडि ठभ
 इया इयः रुभा व पुः, पा सेरु मे निरु भ ठभा म उ
 निव व वी वा व ठभ ठिः भग्ने उ उडि ठभ इयं सुल
 कुलं प्र इ क भा वे से न ठभ यि व भा दा इ इ भु म ठि सु
 दु इ म ठि च लै व व लै व भू प डे ॥ ॥ सु व भू व निरु
 भ ड भा ड ॥ ॥ सु ग्री धि भ व लि उ वि रु क ल, म वी ड
 द धे रु म म मि भ भ ठ व, सु म म भु र क ल म म सु ल
 भे प सु द धु नि सु भि म व ॥ ॥ वि रु ग रः क ल यि प
 डि वि भु न, रु रु उ रु लि रु सु म म भ भ ठे दे न नि रु भ
 ग्री धि भ भ य ड, उ भु म म धे रु म क ल भं भू व न ध रु म डि
 क ल व डु भ, भे ग र भ सु सु रु म क लः, धे रु म म म
 भ भुः, रु म ये य उ डि म ड धु धि क लं ठ भ प डु ध धि
 उ म नि व भि नि भ ड डी डि रु भ रु म भु ठ भ भ य भु निरु

ਸੀ.
ਮ.
ਪ.
੨੩

[illegible]

श्री.
भ.
५.
२७

सुवेककयति। उपभक्तं न सुभक्तुपावपि पुडिरेण उदम
भूकभलस्य भूपभारयति। उवाचैः पंमममठिचलैः
भुङ्क्तामभयं न ठिभुन इमूनं विधुं उतकं न डि। सु
गुं भपुमेन निरुमे, सुभुपि पुडिरेण कठं वं विठुं उदुः।
एकेन भपुठिचलैः भं एगना एभयं सुगी भपुडं। उदु
विभगसूमुं निडति, उदुमेव निपुडिरेण विठुं उडिया व
ड। भैवसुमुना एभयं सुगी वलसुयेन वडुमी सुगे
सुषयति। ठभा भयं सुगी मठवडी सुममठि। पसि
भैचलै विठुः भयं सिवभपभारयति। एवमेव मउल
विठुं पुविठुं भचमिमुठसूठवयिडु भैठगृक
गीठवडी डिमिवं सिवमिष्ट सुदभ॥ ॥ उडिभम
यविष्टयाः कगल पडुकगुभः॥ ॥ ॥
उडिमी भपुडु पुकमे एकमम उदयः॥ ०० ॥ ००॥
उदु उदु उदु न भचनी नं भपुकं पुडुठि सुयडमिष्ट
ड॥ ॥ एवविठुगे मिठ पविमीलि। उडुन परसुयभा

नभरेड। विषयक यमिभय एलीलि। उवीवपसुवसु
ठलेड॥ ॥ सुनेनेडु एरु एरु सुगी विठगेन भपुठि
भगठे॥ भचकं वं भुडु सिडु, जगव पुडिप मिडुः। उदुमे
उनभजभपुमेवभगं भनुदभ॥ ननु। उडु सिडु भिकनें भ
भविषय वेमे मसुड, उदुभमड, विषयेडि, कया भउ
भं विम विधुं विषये भि, भोपि मिडु गभऊपवठ वनीयः क
सुभिष्टड, उवीडि, उवीवपुपि सुवेमे विणयेडुः। यडः
भभभु उभा लेकया इठि वठि वः भं उड विठुः। प
मऊनं ठदिन सुगक उरडया सुभभउन भकुपभुठवत्र
भभवडि, ठवेव, सुदे उं ठव सुठव विठे ठ सिडु गभऊड
सिडु भुनेन मिठ वेमेन मिडु गभऊडया मिडि सुनुडः पु
डिभुं पुडिलठु, नटुठव सुठु पेकि डिडु पल्लु भभभु
डिउड भि विम भयिडुभ॥ ॥ उडु पुडु भयिडु भि
ड॥ ॥ उया उभमेले भभुलि, ये ये कवनं डिडप
यवु। उडु भडिल सुयुभा पडि, सुगग विडु ठे पग

श्री.
म.
पु.
५.

कृतेमिन्मयकलिसगीर। प्रष्टिगृहपदमुवेसै। निहृमभा
 एनेदगीर॥ ॥ यवगुरुभापंमरुयकेसुगी॥ सद्यपि
 डायडभायडभाप्रष्टनायभिड। डंडधैवपमयवेकभिच
 डिविडडकलिसगीरपयवभाययमिडुडभा। ठगोडि। ठ
 गविठगैभुडमुडप्रवेसनभाभाप्रर। उडवमुडयवे
 सननिहृमभाएनेननिमपाणेमिन्मयेवप्रष्टुडगुडयठ
 वनीयेडिनवणीगिडंकिंमिड॥ ॥ ॥ डमवेवमपमय
 यडंनिभूभडडुंभचपीठुपी॥ मगी॥ मिहृड॥ ॥
 ठवभठैगुमिठिविधयीकमड। पेमगीन। मवल्लठणड।
 मडेडकमठैगवमुलीवड। मुलिडुवपडुभविठव॥ ॥
 ठवभठैगः कडडिभठैडमिधिविधयीकम॥ भडुमवेपठै
 गडुः पममययडः। डमवेवमगी॥ वडुमवीनंवल्ल
 ठंभुनंडमुवडुमवेः किंमिडिंमिधैधयिकभाभुमिडु
 ववभमय॥ कुचडि। यवमडुडः भुडुमभय॥ नडंपविडु
 म्मविमभयडीडिविधयठैगेनिभूभुनम॥ ॥ एडमवे

म.
पू.
५०

समुत्तमभवनमुद॥ ॥ निमुभमिडेगुरुवयनविभमे
 उ। कभमेवेडसु कभमेड। कभमेवेडसु कभमेड।
 कभमेवेडसु कभमेड॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 मभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 विभमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 भवेपुभमयं॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 निहमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 केडुवभमयं॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 पुसुदेपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 तवेनिहपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 कभमेवेडसु कभमेड॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 निहमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 केडुवभमयं॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 पुसुदेपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 तवेनिहपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय

इकमेपगिहयः भूपकएभिडः, मभमवेपं कववेमेन
 भुडिपववपभडिनभूः भिडः, उडुभदएनपेभमिडुं
 नभूपभविडुडभिडिमभुठिडुडभुडुपं पगिनीलिडं, यः
 भुजभगीनीः भवेभमभूयउमुठयडि, भेयंभमभूय
 कभमीडुडेनवयरीविषयः मभूमयं हविमभूमयं
 कभमेवेडसु कभमेड॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 निहमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 केडुवभमयं॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 पुसुदेपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 तवेनिहपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 कभमेवेडसु कभमेड॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 निहमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं हविमभूमयं
 केडुवभमयं॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 पुसुदेपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय
 तवेनिहपुभमिडेगुरुवय॥ ॥ तवेनिहपुभमिडेगुरुवय

५३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥

५५

पितृपकं भट्टे कमुष्टद, नवानंनवानं प्रचापरा
 ७७ भिडि प्रचेयडेनव, सुपरेयडेनव, प्रचापरे डेपंप्रच
 पगं नवाना भिडि कमां मधूमीनं वगभुङ्गुं म
 चाणिभूयकं विभीला पयऊनं कलुष्टगडिडं नगुी
 प्रियमृडडुवेष्टमीवामवाकुभ ॥ उडिमुठम ॥
 उडिभभापुः भडनय पूकमः ॥ उडिमुठमभुम
 चमपकनम ॥ उडिमुठम ॥ उडिमुठम ॥
 भडनय पूकमेयेगिडिडुपुभमिन । भुङ्गुं म
 एकं ऊमभडऊमृपूकमकः ॥ सुठेठमृपयमभेडि
 विपचलिमेडुम । वरुभयभिडे एवेमभपुिमगभ
 सपु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सुडमिंपरपडमडू पडमुड, तैसुरिभमव ल
 विमड ॥ सुभुजः ॥ सुभिजेवपरपरेप्रविमडा
 भ येनतैयगीभमृडनिविमुभडम ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥

म.
५.
५५

उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥
 उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥
 उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥ उडिमुठमभुम ॥

**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA**

DSD 00001,7291

Record No.	Organization / Individual <div align="right">7291</div>
------------	--

Name of the Institution Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection	

Title of the Text Mahāmayapraśāsa	Bundle No:..... ⁺ Acc. No./Manuscript No.....2256 [✓]
Other Title	
Author S'iti Kantha	No. of Folios.....45 [✓] Pages.....56 [✓]90
Commentary Yes	Size of Mss. 17x13.5cm [✓]
Commentator	Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others
Kṛṣṇa Swāmi	Missing portion No
Language Sanskrit	Illustrations Na
Script Sardā	Complete/Incomplete <input checked="" type="checkbox"/> <input checked="" type="checkbox"/>
Date of Manuscript	Condition: Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Key words Darsan	Source of Catalogue: Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Subject Salvism	Colour of Manuscripts Cream
	Remarks unfitted